**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**लोक सभा**

**18.03.2026 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 4227 का उत्तर**

**मैनपुरी में रेल परियोजनाओं की प्रगति**

**4227. श्रीमती डिम्पल यादव:**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

**(क) विगत पांच वर्षों के दौरान मैनपुरी के लिए स्वीकृत रेल परियोजनाओं (नई लाइनों, दोहरीकरण, विद्युतीकरण, स्टेशन उन्नयन और यात्री सुविधाओं सहित) का ब्यौरा और वर्तमान प्रगति क्या है;**

**(ख) लागत में वृद्धि होने, कार्य में विलम्ब होने/अपूर्ण कार्य के कारण कितनी परियोजनाएं प्रभावित हुई हैं और इसके प्रमुख कारण क्या हैं;**

**(ग) मैनपुरी में स्टेशनों पर रेलपथ, सिग्नल और प्लेटफार्म की क्षमता तथा यात्री सुविधाओं के संबंध में हाल ही में की गई तकनीकी समीक्षा के क्या निष्कर्ष निकले हैं; और**

**(घ) उक्त जिले के लिए संपर्क में सुधार और अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण के लिए समयबद्ध कार्ययोजना का ब्यौरा क्या है?**

**उत्तर**

**रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री**

**(श्री अश्विनी वैष्णव)**

**(क) से (घ): मैनपुरी की संपर्कता में सुधार लाने के लिए इटावा-मैनपुरी नई लाइन (58 कि.मी.) का कार्य पूरा किया जा चुका है।**

**उत्तर प्रदेश:**

**रेल बजट:**

**उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:**

| अवधि | परिव्यय |
|---|---|
| 2009-14 | 1,109 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष |
| 2025-26 | 19,858 करोड़ रुपए (लगभग 18 गुना) |

**रेलपथ निर्माण:**

**वर्ष 2009-14 और 2014-25 के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ के निर्माण का ब्यौरा निम्नानुसार है:-**

| अवधि | कमीशन किए गए नए रेलपथ | नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग |
|---|---|---|
| 2009-14 | 996 किलोमीटर | 199 किलोमीटर प्रतिवर्ष |
| 2014-25 | 5,272 किलोमीटर | 479 किलोमीटर प्रतिवर्ष (2 गुना से अधिक) |

**स्वीकृत परियोजनाएं:**

**01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 62,360 करोड़ रुपए लागत वाली 3,807 किलोमीटर कुल लंबाई की 49 परियोजनाएं (10 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 37 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। कार्य की संक्षेप में स्थिति निम्नानुसार है:-**

| कोटि | परियोजनाओं की संख्या | कुल लंबाई (किलोमीटर में) | कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में) | मार्च, 2025 तक किया गया व्यय (करोड़ रुपए में) |
|---|---|---|---|---|
| नई लाइन | 10 | 1227 | 340 | 10517 |
| आमान परिवर्तन | 02 | 67 | - | 281 |
| दोहरीकरण/बहुपथन | 37 | 2513 | 983 | 19813 |
| कुल | 49 | 3807 | 1323 | 30611 |

**हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:**

**मैनपुरी जिले सहित उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः तौर पर आने वाली तथा हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:**

| क्र.सं. | परियोजना | लागत (करोड़ रुपए में) |
|---|---|---|
| 1. | इटावा-मैनपुरी नई लाइन (58 किलोमीटर) | 313 |
| 2. | बहराइच-नानपारा-नेपाल गंज आमान परिवर्तन (56 किलोमीटर) | 342 |
| 3. | बलिया-गाजीपुर सिटी दोहरीकरण (65 किलोमीटर) | 650 |
| 4. | गाज़ीपुर सिटी-तारीघाट नई लाइन (17 किलोमीटर) | 1766 |
| 5. | गोंडा-गोरखपुर लूप आमान परिवर्तन (260 किलोमीटर) | 863 |
| 6. | गोंडा-बहराइच आमान परिवर्तन (60 किलोमीटर) | 318 |
| 7. | बाराबंकी-अकबरपुर दोहरीकरण (161 किलोमीटर) | 1700 |
| 8. | कप्तानगंज-थावे-छपरा आमान परिवर्तन (234 किलोमीटर) | 819 |
| 9. | पीलीभीत-शाहजहांपुर आमान परिवर्तन (83 किलोमीटर) | 589 |
| 10. | इन्दारा-दोहरीघाट आमान परिवर्तन (34 किलोमीटर) | 213 |
| 11. | लखनऊ-पीलीभीत आमान परिवर्तन (263 किलोमीटर) | 1634 |
| 12. | भदोही-जंघई दोहरीकरण (31 किलोमीटर) | 168 |
| 13. | लहोटा-भदोही दोहरीकरण (39 किलोमीटर) | 184 |
| 14. | मेरठ-मुजफ्फरनगर दोहरीकरण (55 किलोमीटर) | 430 |
| 15. | फाफामऊ-प्रयागराज दोहरीकरण (14 किलोमीटर) | 212 |
| 16. | मुजफ्फरनगर-टपरी दोहरीकरण (52 किलोमीटर) | 525 |
| 17. | उतरेटिया-रायबरेली दोहरीकरण (66 किलोमीटर) | 662 |
| 18. | रायबरेली-अमेठी दोहरीकरण (60 किलोमीटर) | 668 |
| 19. | आलमनगर-उतरेटिया दोहरीकरण (20 किलोमीटर) | 358 |
| 20. | भीमसेन-झांसी दोहरीकरण (206 किलोमीटर) | 2620 |
| 21. | डोमिनगढ़-गोरखपुर-कुसुम्ही - तीसरी लाइन और गोरखपुर-नकहा जंगल दोहरीकरण (21 किलोमीटर) | 508 |
| 22. | मल्हौर-डालीगंज दोहरीकरण (13 किलोमीटर) | 183 |
| 23. | रूमा चकेरी- चंदारी तीसरी लाइन (13 किलोमीटर) | 177 |

| | | |
|---|---|---|
| 24. | बरेली-पीलीभीत-टनकपुर आमान परिवर्तन (102 किलोमीटर) | 313 |
| 25. | रोसा-सीतापुर कैंट-बुढ़वल दोहरीकरण (181 किलोमीटर) | 2094 |
| 26. | जौनपुर-अकबरपुर (टांडा) दोहरीकरण (77 किलोमीटर) | 676 |
| 27. | रमना-रेणुकूट-सिंगरौली दोहरीकरण (160 किलोमीटर) | 2436 |
| 28. | जंघई-फाफामऊ दोहरीकरण (47 किलोमीटर) | 414 |
| 29. | वाराणसी-माधोसिंह-प्रयागराज दोहरीकरण (120 किलोमीटर) | 2018 |
| 30. | करैला रोड- शक्तिनगर दोहरीकरण (32 किलोमीटर) | 763 |
| 31. | देवबंद (मुजफ्फरनगर)-रुड़की (27 किलोमीटर) | 1289 |
| 32. | आगरा-इटावा नई लाइन (110 किलोमीटर) | 427 |
| 33. | फेफना-इन्दारा, मऊ-शाहगंज दोहरीकरण (150 किलोमीटर) | 1778 |

चालू परियोजनाएं:

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली कुछ परियोजनाएं जो शुरू की गई हैं, इस प्रकार हैं:

| क्र.सं. | परियोजना | लागत (करोड़ रुपए में) |
|---|---|---|
| 1. | बाराबंकी-बुढ़वल तीसरी लाइन (27 किलोमीटर) | 426 |
| 2. | बुढ़वल- गोंडा कचहरी चौथी लाइन (56 किलोमीटर) | 796 |
| 3. | बुढ़वल-गोंडा तीसरी लाइन (62 किलोमीटर) | 1118 |
| 4. | बहराइच-खलीलाबाद नई लाइन (240 किलोमीटर) | 4940 |
| 5. | कटरा और अयोध्या धाम दोहरीकरण (10 किलोमीटर) | 466 |
| 6. | पंडित दीन दयाल उपाध्याय- प्रयागराज तीसरी लाइन (150 किलोमीटर) | 2649 |
| 7. | बिल्ली-चुनार दोहरीकरण (102 किलोमीटर) | 1424 |
| 8. | छपरा-बलिया दोहरीकरण (65 किलोमीटर) | 1046 |
| 9. | ऊंचाहार-अमेठी नई लाइन (66 किलोमीटर) | 1229 |
| 10. | एटा-कासगंज नई लाइन (29 किलोमीटर) | 389 |
| 11. | गोरखपुर- वाल्मीकिनगर दोहरीकरण (96 किलोमीटर) | 1121 |
| 12. | वाराणसी-पंडित दीन दयाल उपाध्याय तीसरी और चौथी लाइन (15 किलोमीटर) | 2464 |

| | | |
|---|---|---|
| 13. | झांसी-खैरार-मानिकपुर और खैरार-भीमसेन दोहरीकरण (431 किलोमीटर) | 4330 |
| 14. | सहजनवा-दोहरीघाट नई लाइन (81 किलोमीटर) | 1320 |
| 15. | कुबेरपुर-यमुना पुल तीसरी लाइन (10 किलोमीटर) | 170 |
| 16. | प्रयागराज (इरादतगंज)- मानिकपुर तीसरी लाइन (84 किलोमीटर) | 1508 |
| 17. | दिलकुशा-मल्हौर तीसरी लाइन (8 किलोमीटर) | 164 |
| 18. | अयोध्या कैंट (सालापुर-मसौधा के बीच) बाईपास/कोर्ड लाइन (6 किलोमीटर) | 97 |
| 19. | दीदारगंज-शाहगंज- बिलवई कोर्ड लाइन (6 किलोमीटर) | 137 |
| 20. | वाराणसी शिवपुर तीसरी लाइन (6 किलोमीटर) | 76 |
| 21. | जौनपुर जं.-जाफराबाद दोहरीकरण (6 किलोमीटर) | 177 |
| 22. | भटनी-औरनिहार दोहरीकरण (117 किलोमीटर) | 2529 |
| 23. | मथुरा-झांसी तीसरी लाइन (274 किलोमीटर) | 5924 |
| 24. | आगरा फोर्ट और बांदीकुई दोहरीकरण (150 किलोमीटर) | 988 |
| 25. | जंघई-प्रतापगढ़-अमेठी दोहरीकरण (87 किलोमीटर) | 1197 |
| 26. | बाराबंकी-मल्हौर-तीसरी और चौथी लाइन (33 किलोमीटर) | 407 |
| 27. | फाफामऊ-ऊंचाहार दोहरीकरण (72 किलोमीटर) | 971 |
| 28. | औरनिहार-वाराणसी सिटी तीसरी लाइन (31 किलोमीटर) | 76 |

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन-समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

**रेल विद्युतीकरण:**

**भारतीय रेल में रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण मिशन मोड में शुरू किया गया है। अब तक, बड़ी लाइन नेटवर्क का लगभग 99.4% विद्युतीकृत किया जा चुका है। शेष नेटवर्क में विद्युतीकरण कार्य शुरू हो गया है। वर्ष 2014-25 के दौरान और वर्ष 2014 से पहले किए गए विद्युतीकरण का ब्यौरा निम्नानुसार है:**

| अवधि | मार्ग किलोमीटर |
|---|---|
| 2014 से पहले (लगभग 60 वर्ष) | 21,801 |
| 2014-2025 | 46,900 |

**उत्तर प्रदेश में मैनपुरी जिले सहित संपूर्ण मौजूदा बड़ी लाइन नेटवर्क का विद्युतीकरण किया गया है। इसके अलावा, सभी नई लाइन/बहुपथन परियोजनाओं को विद्युतीकरण के साथ स्वीकृति प्रदान की जा रही है और उनका निर्माण किया जा रहा है।**

**अमृत भारत स्टेशन:**

**भारतीय रेल ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।**

**इस योजना में स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है। इस मास्टर योजना में निम्नानुसार शामिल हैः**

- **स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार,**
- **स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण,**
- **स्टेशन भवन में सुधार,**
- **प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पानी के बूथ में सुधार,**
- **यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान,**
- **लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप का प्रावधान,**
- **प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म पर कवर का प्रावधान,**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान,**

- पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों के साथ एकीकरण,
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं,
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली,
- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ का प्रावधान आदि तथा दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की परिकल्पना भी की गई है।

अभी तक, इस योजना के अंतर्गत विकास हेतु 1338 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से मैनपुरी जिले के मैनपुरी जंक्शन स्टेशन सहित 157 स्टेशन उत्तर प्रदेश में स्थित हैं। उत्तर प्रदेश में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम इस प्रकार हैं:

| राज्य | स्टेशनों की संख्या | स्टेशनों के नाम |
|---|---|---|
| उत्तर प्रदेश | 157 | अछनेरा, आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ऐशबाग जं., अकबरपुर जं., अलीगढ, अमेठी, अमरोहा, आनंद नगर जं., आंवला, अयोध्या धाम जंक्शन, आज़मगढ़, बाबतपुर, बछरावां, बदांयू, बादशाहनगर, बादशाहपुर, बहेड़ी, बहराईच, बालामऊ जं., बलिया, बलरामपुर, बनारस, बांदा, बाराबंकी जं., बरेली, बरेली सिटी, बढ़नी, बस्ती, बेल्थरा रोड, भदोही, भरतकुंड, भटनी, भूतेश्वर, बिजनौर, बुलन्दशहर, चंदौली मझवार, चंदौसी, चिलबिला, चित्रकूट धाम कर्वी, चोपन, चुनार जं., डालीगंज, दर्शननगर, देवरिया सदर, धामपुर, दिलदारनगर, इटावा जं., फर्रुखाबाद, फतेहाबाद, फतेहपुर, फतहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, गजरौला, गढ़मुक्तेसर, गौरीगंज, घाटमपुर, गाजियाबाद, ग़ाज़ीपुर सिटी, |

| | | |
|---|---|---|
| | | गोला गोकर्णनाथ, गोमतीनगर, गोंडा, गोरखपुर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, गुरसहायगंज, हैदरगढ़, हापुड, हरदोई, हाथरस सिटी, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, जंघई जंक्शन, जौनपुर सिटी, जौनपुर जंक्शन, कन्नौज, कानपुर अनवरगंज, कानपुर ब्रिज लेफ्ट बैंक, कानपुर सेंट्रल, कप्तानगंज जंक्शन, कासगंज जंक्शन, काशी, खलीलाबाद, खोरासों रोड, खुर्जा जंक्शन, कोसी कलां, कुंडा हरनामगंज, लखीमपुर, लालगंज, ललितपुर जंक्शन, लंभुआ, लोहता, लखनऊ (चारबाग) उत्तर रेलवे, लखनऊ सिटी, लखनऊ जंक्शन (पूर्वोत्तर रेलवे), मां बेल्हा देवी प्रतापगढ़ जंक्शन, मगहर, महाराजा बिजली पासी, महोबा जंक्शन, मैलानी जंक्शन, मैनपुरी जंक्शन, मल्हौर, मानक नगर, मानिकपुर जंक्शन, मारियाहू, मथुरा जंक्शन, मऊ जंक्शन, मेरठ सिटी जंक्शन, मिर्ज़ापुर, मोदीनगर, मोहनलालगंज, मुरादाबाद जंक्शन, मुजफ्फरनगर, नगीना, नजीबाबाद जंक्शन, उरई, पनकी धाम, फाफामऊ जंक्शन, फूलपुर, पीलीभीत जंक्शन, पोखरायां, प्रयाग जंक्शन, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, रायबरेली जंक्शन, राजा की मंडी, रामघाट हाल्ट, रामपुर जंक्शन, रेनुकूट, सहारनपुर जंक्शन, सलेमपुर, स्योहारा, शाहगंज जंक्शन, शाहजहाँपुर, शामली, शिकोहाबाद जंक्शन, शिवपुर, सिद्धार्थ नगर, सीतापुर जंक्शन, सोनभद्र, श्रीकृष्ण नगर, सुल्तानपुर जंक्शन, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, तकिया, तुलसीपुर, टूंडला जंक्शन, उझानी, ऊंचाहार, उन्नाव जंक्शन, उतरेतिया जंक्शन, वाराणसी कैंट, वाराणसी सिटी, विंध्याचल, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, व्यासनगर, जाफराबाद |

**स्टेशन जिनका निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है:**

**उत्तर प्रदेश में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं। अब तक, उत्तर प्रदेश में 23 स्टेशनों पर कार्य पूरे किए जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश में पूर्ण किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:**

| राज्य | स्टेशनों की संख्या | स्टेशनों के नाम |
|---|---|---|
| उत्तर प्रदेश | 23 | अयोध्या धाम जंक्शन, बलरामपुर, बरेली सिटी, बिजनौर, फतेहाबाद, फतेहपुर, गोला गोकर्णनाथ, गोमतीनगर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, हाथरस सिटी, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, खलीलाबाद, मैलानी जंक्शन, पनकी धाम, पोखरायां, रामघाट हाल्ट, सहारनपुर जंक्शन, सिद्धार्थ नगर, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, उझानी |

**अन्य स्टेशनों पर भी विकास संबंधी गतिविधियां तेज गति से शुरू की गई हैं और कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:**

- **मैनपुरी जंक्शन स्टेशन: नए स्टेशन भवन, पोर्च, सार्वजनिक आरक्षण प्रणाली काउंटर, प्रतीक्षालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, पहुंच मार्ग, प्रकाश व्यवस्था, जन उद्घोषणा प्रणाली, साइनेज और 12 मीटर पैदल पार पुल का कार्य पूरा हो चुका है। दिव्यांगजन सुविधाओं का कार्य शुरू कर दिया गया है।**
- **गाजियाबाद स्टेशन: मुख्य प्रवेश द्वार और दूसरे प्रवेश द्वार की ओर स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य, टुंडला छोर पर नए पैदल पार पुल-बी का नींव संबंधी कार्य, रूफ प्लाजा, मौजूदा पैदल पार पुल - ए का विस्तार कार्य, मुख्य प्रवेश द्वार और दूसरे प्रवेश द्वार पर विद्युत सब स्टेशन का अंतिम रूप से कार्य, मजिस्ट्रेट भवन, राजकीय रेल पुलिस और रेल सुरक्षा बल के भवनों का कार्य शुरु किया गया है।**
- **रामपुर जंक्शन स्टेशन: नए स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह, बुकिंग कार्यालय, प्रतीक्षालय और शौचालय का कार्य पूरा हो चुका है। परिचलन क्षेत्र और पैदल पार पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।**

- **शाहजहांपुर स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 1 और 2/3 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर और सतह के कार्य पूरे हो चुके हैं। स्टेशन भवन के सुधार, दूसरे प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र और पैदल पार पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।**
- **शिकोहाबाद जंक्शन स्टेशन: नए स्टेशन भवन का निर्माण कार्य, प्लेटफॉर्म संख्या 1/2 की सतह का कार्य, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग और दिव्यांगजन सुविधाओं का कार्य पूरा हो चुका है। 12 मीटर पैदल पार पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

**इसके अलावा, भारतीय रेल विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और चलायमान प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य सापेक्ष प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकता के अनुसार शुरू किए जाते हैं। रेलवे स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/ उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की कोटि/स्थिति/सम्हाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किए जाते हैं।**

**भारतीय रेल में परियोजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी हेतु एक सुव्यवस्थित स्थापित तंत्र है, जिसमें उनकी समीक्षा, निरीक्षण, कार्यों की गुणवत्ता की जाँच तथा लेखापरीक्षा शामिल हैं। निर्माण कार्य विभिन्न संहिताओं एवं नियमावलियों में निर्धारित मानकों एवं विनिर्देशों के अनुरूप निष्पादित किए जाते हैं। विभिन्न एजेंसियों/अधिकारियों/बहु-विषयक दलों द्वारा समय-समय पर निर्धारित अनुदेशों के अनुसार निरीक्षण/लेखापरीक्षा/जाँच की जाती है तथा क्षतियों सहित सुधारात्मक कार्रवाई तुरंत की जाती है। यह सतत एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।**

**रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइपलाइन, विद्युत/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।**

**अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों का विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का विवरण क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या**

**स्टेशन-वार या निर्वाचन क्षेत्र वार या राज्य-वार। उत्तर प्रदेश राज्य पाँच क्षेत्रीय रेलों नामतः पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 हेतु 3,794 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (फरवरी, 2026 तक) 3,694 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।**

**********